



foHkxh; i nkJur , oe-jktLFkku ykdl ok vk; kx l s p; fur i /kkuk/; ki dka dh
urRo 'kSyh dk rnyukRed v/; ; u

Seema Sidana¹ & Onkar Nath Mishra², Ph. D.

¹Research Scholar (Education) OPJS University, Churu (Raj.)

²Research Director, Department of Education, OPJS University, Churu(Raj.)



Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

i Lrkouk%&

vuq akku dk; Z ea 'kksk l eL; k dk , d mUke vksj oKkfud mUkj Kkr djus grq vkadMs
l dyfyr djus ds fy, , d mi ; Pr fof/k dk iz kx करना अत्यंत आवश्यक है। अतः
प्रस्तुत शोधकार्य के शीर्षक, उद्देश्यों, परिकल्पनाओं तथा विशेषताओं को ध्यान में रखकर
शोधकर्ता द्वारा दत्त l dyu grq 'l oKk.k fof/k* dk iz kx fd; k x; k gA l oKk.k fof/k
o.kukRed vuq akku dh , d iedT एवं वैज्ञानिक विधि है। सर्वेक्षण का अर्थ किसी दशा,
fLFkfr ; k eW; ds l ca/k ea tkp djuk gA

l oKk.k fof/k %&

l oKk.k fof/k dk iz kx eq; : lk l s l keftd foKkuka ea orEku dh fdl h ?kVuk]
fLFkfr ; k oKkfjd fpUru vkfn l s l EcflU/kr l eL; k ds v/; ; u ds fy, fd; k tkrk gA
bl fy, l oKk.k fof/k dks l keftd vuq akku dh fof/k ekuk tkrk gA bZMZY; w us
l oKk.k fof/k dks ifjHkkf"kr djrs gq fy[kk g\$ ^, d l epk; dk l oKk.k l keftd
ixfr ds , d jpukRed dk; De dks iLrT करने के उद्देश्य से इसकी परिस्थितियों एवं
vkoशकताओं का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह विशे"KK dh l kfgR; dh; eki ka rFkk
rnyukRed eki n.Mka द्वारा जांचा गया सामाजिक अन्तर्दर्शन का एक ढंग है।”

न्यादर्श :-

न्यादर्श किसी भी अनुसंधान कार्य की आधारशिला है। यह आधारशिला
ftruh l n+gkxh] vuq akku ds ifj.kke उतने ही विश्वसनीय एवं परिशुद्ध
होंगे। न्यादर्श को तभी उपयुक्त माना जा सकता है जब वह सम्पूर्ण समीV dk l gh
ifrfuf/kRo djA bl i dxj vuq akku dh l eLr bdkb; ka ds v/; ; u ds fy, tc dN

इकाइयों को ही विश्लेषण के लिए, प्रत्येक तर्क के लिए उचित उदाहरणों को चुनना है अर्थात् न्यायदर्श एक विशिष्ट क्षेत्र में से चुनने की प्रक्रिया 'प्रतिदर्शन' कहलाती है। समग्र में प्रस्तुत किए गए ऐसे 'कुछ' को जो कि समग्र का प्रतिनिधित्व करता है, न्यायदर्श कहलाता है।

शोधकर्ता ने राज्य, संभाग, जिला, विद्यालय एवं विद्यापीठों के चयन हेतु उद्देश्यात्मक, निर्णयात्मक एवं यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया है।

न्यायदर्श चयन से संबंधित सारणी :-

शोधकर्ता द्वारा राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों के विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का चयन अनुसंधान हेतु न्यायदर्श के रूप में प्रदर्शित किया गया है :-

न्यायदर्श चयन विधि															
न्यायदर्श चयन विधि															
न्यायदर्श चयन विधि				न्यायदर्श चयन विधि				न्यायदर्श चयन विधि				न्यायदर्श चयन विधि			
न्यायदर्श चयन विधि		न्यायदर्श चयन विधि		न्यायदर्श चयन विधि		न्यायदर्श चयन विधि		न्यायदर्श चयन विधि		न्यायदर्श चयन विधि		न्यायदर्श चयन विधि		न्यायदर्श चयन विधि	
न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि	न्यायदर्श चयन विधि
5	5	3	6	6	6	4	5	5	5	3	6	6	6	4	5

न्यायदर्श चयन विधि का प्रयोग किया गया है। न्यायदर्श चयन विधि का प्रयोग किया गया है। न्यायदर्श चयन विधि का प्रयोग किया गया है। न्यायदर्श चयन विधि का प्रयोग किया गया है।

Lo: lk dh Hkkxhnhkj ij fuHkZ gkrk gA tc l eng ea nks ; k nks l s vf/kd 0; fDr; ka ea fdl h 0; fDr dh Hkfredk l cl s T; knk fØ; kRed gkrh gS rFkk nll js ykxka }kjk Hkh mudh Hkfredk dks i l Un fd; k tkrk gS rFkk nll js 0; fDr; ka }kjk ml s vf/kd l Eeku o ml ds आदेशों की ikyuk dh tkrh g\$, s 0; fDr dks usk dgk tkrk gS rFkk l eng ds nll js ykxka dks ml ds vuq k; h ds : lk ea ns[kk tkrk gA vr% usRo , d , s h i fØ; k gS ftl ea l eng da कोई एक सदस्य समूह के निश्चित उद्देश्यों की i kflr grq fØ; kvka ea nll js l nL; ka dks i Hkkfor djrk gA nll js शकनका ea नेतृत्व को लोगों में विशे"क i djk ds l Ecu/kka ds : lk ea ifjHkkf"kr fd; k tkrk gA mudh i kLifjd l Ecu/kka dh i dfr dk muds vuq kf; vka ij i Hkko i M+r k gA

fdl h Hkh l xBu ea usk , d gh rjg l s dk; Z ugha djrs mudh l cdh vi uh vi uh कार्यशैली होती है। नेताओं के कार्य करने की शक्य ds vk/kkj ij mudks fuEu i djk l s foHkkftr fd; k x; k gA

- dk; Z dflnr & dk; Z dflnr usRo ea uskvka ds dke djus ds rjhds rFkk y{; dks i klr djus ds fy, dk; Z dh i kFkfedrk ds vk/kkj ij /; ku dflnr djus ds rjhds dks vk/kkj ekuk x; k gA

- l Ecu/k ds vk/kkj ij & bl ea uskvka ds fe=or l Ecu/kka rFkk l eng ds l nL; ka dh l r"V dks vk/kkj ekuk tkrk gA

l UnHkZ x dFk l iph

fgUnh i q rda

dVkfj; k MKW jln%2005% "yz kkl fud fl) klr , oa i .CU/kp% us'kuy i fcyf'ka gkml ejB] ist 66

dfi y] , p-ds %2007% Bvuq d'kku fof/k; kp] , p-i-h- Hkxsb cpl gkml 4@230] dpgh ?kV- vxjk

dfi y] , p-ds %2010% Bl kf[; dh ds eny rRob] अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा-2 xjB] bz gujh %1989% "शिक्षा और मनोविज्ञान में l kf[; dh ds i z kxb] dY; k. kh पब्लिकेशन, नई दिल्ली

HkVukxj] MKW vkj-i-h , oa vxdky] fo/k